IIM में लगेगा 125 किलोवाट का सोलर प्लांट हर साल होगी 15.50 लाख रुपए तक की बचत

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) का पूरा परिसर जल्द ही सौर ऊर्जा से रोशन होगा। इंस्टीट्यूट में करीब 125 किलोवॉट का सोलर पैनल लगाया जाएगा। इससे इंस्टीट्यूट में हर साल 15.50 लाख रुपए की बिजली की बचत होगी।

आईआईएम के जेईई डीके सिन्हा ने बताया कि जल्द ही इंस्टीट्यूट के अलग-अलग बिल्डिंग, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एरिया में सोलर पैनल लगाया जाएगा। यहां 125 किलोवॉट का सोलर पावर प्लांट की योजना है। इस प्लांट के तैयार हो जाने से रोजाना 440 यूनिट बिजली उत्पादित होगी। वहीं हर साल 1,58,400 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। इससे इंस्टीट्यूट को 15.50 लाख रुपए की बचत होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में हर महीने संस्थान को रन करने के लिए लगभग 2 लाख यूनिट बिजली की खपत होती है। 125 किलोवॉट का प्लांट लगने के बाद हर महीने 13200 यूनिट बिजली का उत्पादन कैंपस में ही किया जा सकेगा।

सोलर प्लांट में IIM का खास मैनेजमेंट

इधर, सोलर प्लांट लगाने में भी आईआईएम का मैनेजमेंट नजर आ रहा है। फिलहाल यहां सौर ऊर्जा से करीब 70 किलोवॉट का प्लांट संचालित है। इसमें से 60 किलोवॉट का सोलर पैनल पार्किंग एरिया में लगाया गया है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके नीचे गाड़ियां पार्क हो सके। ऐसे में आईआईएम के पार्किंग के लिए शेड बनाने का खर्च पूरी तरह से बच गया। वहीं फॉरेस्ट स्टाफ हाउस के पास 10 किलोवाट का सोलर पैनल लगाया गया है।

अभी 70 किलोवॉट का प्लांट

डीके सिन्हा ने बताया कि संस्थान में अभी 70 किलोवाट का सोलर प्लांट लगा हुआ है। इससे रोजाना 250 यूनिट और महीने का 7500 यूनिट बिजली उत्पादित की जा रही है। देखा जाए तो साल में 90 हजार यूनिट का सोलर एनर्जी का इस्तेमाल इंस्टीट्यूट में किया जा रहा है। इससे साल के 7 लाख 80 हजार रुपए की बचत हो रही है।

Dainik Bhaskar, 18 March 2024, P.03 (City Bhaskar)